दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 15.08.2022

प्रकाशनार्थ
स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त, 2022 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर में 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव समारोह ध्वजारोहण के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया। राष्ट्रगान के उपरान्त उच्च शिक्षा निदेशक उत्तर प्रदेश का संदेश वाचन किया गया।

सांस्कृतिक समारोह के अन्तर्गत गणेश वन्दना नृत्य के साथ साक्षी गुप्ता ने कार्यक्रम का शुभारंम्भ किया। तेरे मिट्टी में मिल जावा गीत पर कृतिका पाण्डेय एवं तृप्ति गुप्ता ने नृत्य प्रस्तुत किया। इसके साथ देश मेरे गीत पर स्नेहा ने एवं प्रियंका गुप्ता ने देशभक्ति कविता पाठ प्रस्तुत किया। चौरी–चौरा कांड के विशेष सन्दर्भ में लघु नाट्य मंचन आकाश, यशवन्त मल्ल, अजीत, धर्मेन्द्र, पुनीत, श्रेयांश व आदित्य राज ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मेरा मुल्क मेरा देश गीत पर शिवालिका शर्मा ने प्रस्तुति किया एवं भारत माँ के गीत पर अंकिता सिंह ने प्रस्तुति दिया। कार्यक्रम के अन्तर्गत आई.क्यू.ए.सी. के समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह ने सभी का स्वागत किया एवं आज के विशेष सन्दर्भ में प्रकाश डाला। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. भगवान सिंह ने कहा कि सन् 1857 से 1947 के बीच 90 वर्षो का आन्दोलन क्रान्तिकारियों के वीरता की यश गाथा हैं। भारतीय राष्ट्रवाद के तीर्थस्थल चौरी–चौरा व हल्दीघाटी हमारे अन्दर राष्ट्रीय चेतना को बल प्रदान करते है। विद्यार्थियों का आवाहन करते हुए उन्होंने राष्ट्रोन्मुखी लक्ष्य निर्धारित करने एवं उस दिशा में प्रयास करने की बात कही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षा, संस्कृति व राष्ट्रवाद की धारा आगे बढ़ाने के लिए महाविद्यालय संकल्पित है। युवा कोई अवस्थाबोधक अवधारणा नहीं है, बल्कि जिस व्यक्ति के आँखों में अतीत का वैभव, वर्तमान की पीड़ा और भविष्य की चिन्ता हो, वही युवा हैं। महाविद्यालय प्रतिभाओं को निखारने में संसाधनों की कमी आड़े नहीं आने देगा। अतीत की स्मृतियों को हमें अपनी कार्य संस्कृति में रखना होगा। हमारे सभी घटक आने वाले लक्ष्यों के लिए ऊर्जा के स्रोत्र है। देश व दुनिया में जो भी भारतवंशी हैं, वे आजादी का अमृत महोत्सव मना रहें है। भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता रहा है, हम दुनिया के सिरमौर थे। हमें अपने अतीत के गौरवशाली इतिहास से ऊर्जा प्राप्त करते हुए भारत को दुनिया के सम्मुख विश्वगुरू के रूप में स्थापित करना होगा।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. धीरेन्द्र सिंह ने किया व संचालन डॉ. कमलेश मौर्य ने किया। इस अवसर पर डॉ. सत्येन्द्र सिंह, डॉ. नित्यानन्द श्रीवास्तव, प्रो. अर्चना सिंह, डॉ. अरूण तिवारी, डॉ. गीता सिंह सहित समस्त प्राध्यापक, कर्मचारीगण व विद्यार्थी उपस्थित रहें।

डॉ.(सुनील कुमार सिंह)
सह–प्रभारी
सूचना एवं जनसम्पर्क